

---

sarasvatIstotram bRihaspativirachitaM

श्रीसरस्वतीस्तोत्रं बृहस्पतिविरचितम्

Document Information

---

Text title : sarasvatIstotram

File name : sarasvatistotrabrihaspati.itx

Category : devii, sarasvatI, stotra, devI

Location : doc\_devii

Author : Brihaspati

Transliterated by : WebD

Proofread by : Ravin Bhalekar ravibhalekar at hotmail.com

Description-comments : rUdrayAmala

Latest update : June 30, 2004

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 22, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीसरस्वतीस्तोत्रं बृहस्पतिविरचितम्



श्रीगणेशाय नमः ।

बृहस्पतिरुवाच

सरस्वति नमस्यामि चेतनां हृदि संस्थिताम् ।

कण्ठस्थां पद्मयोनिं त्वां ह्रीङ्कारां सुप्रियां सदा ॥ १ ॥

मतिदां वरदां चैव सर्वकामफलप्रदाम् ।

केशवस्य प्रियां देवीं वीणाहस्तां वरप्रदाम् ॥ २ ॥

मन्त्रप्रियां सदा हृद्यां कुमतिध्वंसकारिणीम् ।

स्वप्रकाशां निरालम्बामज्ञानतिमिरापहाम् ॥ ३ ॥

मोक्षप्रियां शुभां नित्यां सुभगां शोभनप्रियाम् ।

पद्मोपविष्टां कुण्डलिनीं शुक्लवस्त्रां मनोहराम् ॥ ४ ॥

आदित्यमण्डले लीनां प्रणमामि जनप्रियाम् ।

ज्ञानाकारां जगद्धीपां भक्तविघ्नविनाशिनीम् ॥ ५ ॥

इति सत्यं स्तुता देवी वागीशेन महात्मना ।

आत्मानं दर्शयामास शरदिन्दुसमप्रभाम् ॥ ६ ॥

श्रीसरस्वत्युवाच

वरं वृणीष्व भद्रं त्वं यत्ते मनसि वर्तते ।

बृहस्पतिरुवाच

प्रसन्ना यदि मे देवि परं ज्ञानं प्रयच्छ मे ॥ ७ ॥

श्रीसरस्वत्युवाच

दत्तं ती निर्मलं ज्ञानं कुमतिध्वंसकारकम् ।

स्तोत्रेणानेन मां भक्त्या ये स्तुवन्ति सदा नराः ॥ ८ ॥

लभन्ते परमं ज्ञानं मम तुल्यपराक्रमाः ।

कवित्वं मत्प्रसादेन प्राप्नुवन्ति मनोगतम् ॥ ९ ॥

त्रिसन्ध्यं प्रयतो भूत्वा यस्त्विमं पठते नरः ।

तस्य कण्ठे सदा वासं करिष्यामि न संशयः ॥ १० ॥


॥ इति श्रीरुद्रयामले श्रीबृहस्पतिविरचितं सरस्वतीस्तोत्रम्  
सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Ravin Bhalekar ravibhalekar@hotmail.com

---

——  
*sarasvatIstotram bRihaspativirachitaM*

pdf was typeset on December 22, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

